Topic - राजस्व' (Public Finance)

Sub Topic – राजस्व का अर्थ (Meaning of Public Finance, Scope and Subject Matter of Public Finance)

For- BA II year (Economics) Arts (II Paper Public Finance & International Trade)

Prepared By

Dr. Saraswati, Asst. Professor Economics, Govt. Degree College Bhojpur Moradabad U.P (Mobile No 9319367216)

Email - drsaraswati081@gmail.com

घोषणा

यह सामग्री विशेष रूप से शिक्षण और सीखने को बढ़ाने के शैक्षणिक उद्देश्यों के लिये है। आर्थिक / वाणिज्यिक अथवा किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसका उपयोग पूर्णत प्रतिबन्धित है । सामग्री के उपयोगार्थ इसे किसी और के साथ वितरित प्रसारित या साझा नहीं करेंगे ओर इसका व्यक्तिगत ज्ञान की उन्नति के लिये ही करेंगे । इस ई–कन्टेन्ट में जो जानकरी की गयी है वह प्रमाणित है और मेरे ज्ञान क अनुसार सर्वोत्तम है ।

राजस्व या लाकावित्त ज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत सावजनिक संस्थाओ एव सरकार की आय एवं व्यय सम्बन्धी क्रियाओ का अध्ययन किया जाता है ।

राजस्व – संस्कृत शब्द राजस्व दो अक्षरो से बना है राजन + स्व जिसका अर्थ होता है राजा का धन। राजनीतिक दृष्टिकोण से राजा को समाज और क्षेत्र विशेष का मुखिया कहते है । इस प्रकार सरल शब्दो में राजस्व का अर्थ राजा के धन या मुखिया के धन से होता है । सार्वजनिक सत्ताओ के आय–व्यय सम्बन्धी कार्यो के अध्ययन को ही राजस्व कहते है ।

राजस्व की परिभाषाओ को हम चार भागो में बॉट सकते है ।

1. अत्यधिक विस्तत परिभाषाएं
2. विस्तृत परिभाषाएं
3. सकुचित परिभाषाएं
4. राजस्व की सर्वमान्य परिभाषाएं

अत्यधिक विस्तृत परिभाषाएं

इन परिभाषाओ में राजस्व शब्द का उपयोग बहुत ही अधिक विस्तत अर्थ में किया गया है। डाल्टन, वैस्टेबल, प्रो0 फिण्डले शिराज की परिभाषाएं निम्न प्रकार है ।

1. डॉ0 डाल्टन – "राजस्व के अन्तर्गत लोक सत्ताओ के आय व्यय तथा उनके पारस्पिक समायोजन और समन्वय का अध्ययन किया जाता है।"

2. एडम स्मिथ– "राजकीय व्यय तथा राजकीय आयके सिद्धान्तो एवं स्वभाव की खोज या छानबीन को राजस्व कहते है।"

विस्तृत परिभाषाएं

1. श्रीमति हिक्स – "राजस्व के अध्ययन में उन पद्धतियो एवं प्रणालियो का विश्लेषण किया जाता है जिनके अनुसार शासन, संस्थाएं, जन साधारण के हितार्थ धनराशि एकत्रित करके महत्तम सुख सुविधाओ की व्यवस्था करती है"

संकुचित परिभाषा

जे. के. महता– "राजस्व राज्य के भौतिक तथा साख सम्बन्धी साधनो का अध्ययन है।"

राजस्व की सर्वमान्य परिभाषाएं

हेरोल्ड गोव्स – "राजस्व जॉच अथवा खोज का वह क्षेत्र है जो सरकार (संघीय राज्यीय और स्थानीय) के आय – व्यय से सम्बन्ध रखता है । वर्तमान में राजस्व के अन्तर्गत चार तत्व शामिल किए जाते है। "

1. सार्वजनिक आय
2. सार्वजनिक व्यय

3. सार्वजनिक ऋण

4. सम्पूर्ण रूप में राजकोषीय व्यवस्था की कुल समस्याएँ जैसे राजकोषीय प्रशासन तथा राजकोषीय नीति

2. रिचार्ड मुसगव – "राजस्व सार्वजनिक अर्थव्यवस्था के सिद्धान्तो का अध्ययन है या और अधिक स्पष्ठ रूप में आर्थिक नीति के उन पहलुओ का अध्ययन है जो सार्वजनिक बजट की क्रियाओ के फलस्वरूप उत्पन्न होते है। "

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर राजस्व की एक उचित परिभाषा

"राजस्व सरकार के आय एवं व्यय सम्बन्धी प्रबन्ध प्रशासन का एक शास्त्र है जिसमें सावजनिक बजट की समस्या को प्रमुखता दो जाती है और इसके अन्तर्गत विधियो एवं सिद्धान्तो दानो का एक ही साथ अध्ययन किया जाता है।"

च्कि अर्द्धविकसित राष्ट्रो की समस्याएं विकसित या विकास शील राष्ट्रो की समस्याओ से अलग होती है इसलिए राजस्व की परिभाषा अर्द्धविकसित राष्ट्रो के सन्दर्भ में पृथक है ।

अर्द्धविकसित देशो के सन्दर्भ में राजस्व सरकार की वित्तीय कियाओ का अध्ययन है ताकि आर्थिक विकास तीव व निर्बाध गति से हो सके जबकि विकसित देशो में राजस्व उन वित्तीय कियाओ का अध्ययन है जिनसे आर्थिक स्थिरता प्राप्त की जा सके ।

Scope and Subject Matter of Public Finance

राजस्व का क्षेत्र एवं विषय सामग्री

राज्य और उससे सम्बन्धित संस्थाए सामाजिक कल्याण के किस प्रकार धन एकत्रित करती है और उसका उपयोग किस प्रकार करती है यही राजस्व शास्त्र की विषय सामग्री है।

राजस्व विज्ञान को छः भागो में बांटा गया है।

1. लोक या सावंजनिक व्यय– वितरण शखा (प्रो0 मसग्रेव)
2. सार्वजनिक आय– आवटन शाखा (प्रो0 मसग्रेव)
3. सार्वजनिक ऋण
4. वित्तीय प्रशासन – 1. बजट बनाना
   2.जनता के सूचनार्थ उसे प्रकाशित करना
   3. लेखो का अंकेक्षण (Audit) करना
5. आर्थिक सन्तुलन – आर्थिक स्थायीत्व (राजकाषीय नीति प्रो0 मसग्रेव)
6. संघीय वित्त – केन्द्र तथा राज्य सरकारो के बीच वित्त साधनो का बंटबारा

संक्षेप में राजस्व की विषय सामग्री को तीन भागो में बॉटा गया है ।

1. बॅटबारा शाखा (Allocation branch)
2. वितरण शाखा (Distribution)
3. स्थिरी करण शाखा (Stablisation)

Key Words -

(Meaning)

Definition

Scope and Subject Matter [www.gdcbhojpur.com]

संन्दर्भ सूची

1. राजस्व – डॉ0 जे0सी0 पन्त
2. मुद्रा एवं बैकिंग – टी0 टी0 सेठी
3. अर्थशास्त्र – डॉ0 वी0सी0 सिन्हा

"Declaration" I have by declare that the information giving in this form is true and correct to the best knowledge and belief)